BSES

उड़न दस्ते ने सिर्फ दो दिन में पकड़े, छेड़छाड़ वाले 30 बिजली मीटर

- 84 प्रतिशत तक धीमे पाए गए हैं, बिजली के मीटर
- पश्चिमी दिल्ली के नजफगढ़ और जफ्फारपुर में अभी भी 85 प्रतिशत बिजली चोरी
- जफ्फारपुरः बीएसईएस 12. 5 मिलियन यूनिट बिजली सप्लाई करती है, पर बिल मिलता है सिर्फ 1. 25 मिलियन यूनिट का
- नजफगढ़ः कंपनी 32. 5 मिलियन यूनिट बिजली सप्लाई करती है, पर बिल मिलता है सिर्फ 6. 5 मिलियन यूनिट का
- और तेज होगा छापेमारी अभियन

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2008। बीएसईएस के उड़न दस्ते ने अपना नया अभियान फिर शुरू कर दिया है और इस बार, सिर्फ दो दिनों के भीतर उसने छेड़छाड़ वाले 30 बिजली के मीटर पकड़े हैं। नजफगढ़ के राणाजी एन्कलेव के उपभोक्ताओं के घरों से मिले ये मीटर 50 से 84 प्रतिशत तक धीमे पाए गए हैं। उपभोक्ताओं के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दरअसल, पश्चिमी दिल्ली के नजफगढ़ और जफ्फारपुर दो ऐसे इलाके हैं, जहां बड़े पैमाने पर बिजली चोरी हो रही है। जानकर हैरानी होगी कि इन इलाकों में अभी भी 85 प्रतिशत बिजली चोरी हो जाती है। इन दोनों इलाकों में बिजली चोरी रोकने के लिए बीएसईएस ने कड़े कदम उठाए हैं। बिजली चोरी को देखते हुए यहां ढके हुए बिजली के तार – एरियल बंच्ड केबल– लगाए गए हैं। एरियल बंच्ड केबल लगाने से जहां एक ओर वितरण नेटवर्क मजबूत हुआ है, वहीं दूसरी ओर, उपभोक्ताओं के लिए अब कटिया के माध्यम से बिजली चोरी करना असंभव हो गया है। क्योंकि, ये तार खुले नहीं, बल्कि ढंके हुए होते हैं।

बीएसईएस के इन प्रयासों की बदौलत इलाके में कंटिया के माध्यम से बिजली की सीधी चोरी तो कम हो गई है, लेकिन लोगों ने बिजली चोरी के लिए अब मीटरों से छेड़छाड़ कर उन्हें धीमा करना शुरू कर दिया है। मीटरों से छेड़छाड़ के मामले काफी बढ़ गए हैं। ददरअसल, बात यह है कि इस इलाके के कई लोग मुफ्त की बिजली को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं और वे इस अधिकार को किसी भी हालत में छोड़ना नहीं चाहते।

बीएसईएस के एक अधिकारी के मुताबिक, अध्ययनों से यह पता चला है कि नजफगढ़ और जफ्फारपुर के कई निवासी अपने मीटरों से छेड़छाड़ कर उन्हें धीमा करवाने के लिए तमाम अवैध विपकल्पों की तलाश में रहते हैं। कभी वे स्थानीय इलेक्ट्रिशियनों की सेवाएं लेते हैं, तो कभी दलालों की शरण में जाते हैं और कभी बीएसईएस दवारा रखे गए ठेकेदारों के कर्मचारियों को घूस देकर काम करवाने की कोशिश करते हैं।

नजफगढ़ और जफ्फारपुर में बिजली चोरी के आलम पर डालें एक नजरः

जफ्फारपुर में बीएसईएस 12. 5 मिलियन यूनिट बिजली की सप्लाई करती है, लेकिन उसे सिर्फ 1. 25 मिलियन यूनिट बिजली का ही बिल मिलता है। उसी तरह, नजफगढ़ में बीएसईएस 32. 5 मिलियन यूनिट बिजली की सप्लाई करती है, लेकिन बिल उसे सिर्फ 6. 5 मिलियन यूनिट का मिलता है। बाकी बिजली चोरी हो जाती है। वैसे, पिछले साल नजफगढ़ में छापेमारी के दौरान कुल 2701 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई, जबकि जफ्फारपुर में 628 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई। गौरतलब है कि यहां के स्थानीय लोग बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी का जोरदार विरोध करते हैं। लेकिन जल्द ही कंपनी बिजली चोरी के खिलाफ अपना अभियान और तेज करने वाली है।

	जफ्फारपुर	नजफगढ़
इलाका (वर्ग मीटर)	109.65	105.8
रजिस्टर्ड उपभोक्ता	14,000	48,000
बिजली की सप्लाई करते हैं (मिलियन यूनिट)	12.5	32.5
जितने का बिल मिलता है (मिलियन यूनिट)	1.25	6.5
बिजली चोरी पकड़ी (2007-2008) किलोवॉट	628	2701

बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं से अपील करती है कि वे बिजली का वैध कनेक्शन लें और बिजली की चोरी न करें। यह कानूनन अपराध है और बिजली चोरी में पकड़े जाने वालों के खिलाफ भारी जुर्माना व कैद का प्रावधान है। कंपनी यह भी बताना चाहती है कि बिजली चोरी की वजह से इलाके में बिजली गुल होने के मामले बढ़ते हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304